हिंदी

(201)

मूल्यांकन पत्र - I

(पाठ 1 से 10 तक)

कुल अंक : 25

टिप्पणी:

(i) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

(ii) उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के ऊपर की ओर अपना नाम, अनुक्रमांक, अध्ययन केंद्र का नाम, विषय आदि स्पष्ट रूप से लिखिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 70-80 शब्दों में लिखिए:

(क) जो जल बाढ़ै नाव में, घर में बाढ़ै दाम।

दोऊ हाथ उलीचिए, यही सयानो काम।।

– उपर्युक्त दोहे को ध्यानपूर्वक पढ़िए और हमारे समाज में रहने वाले कुछ लोगों के पास बढ़ते अनावश्यक धन से उत्पन्न समस्याओं के बारे में लिखिए।

(ख) जैसे बीज को पेड़ बनने के लिए धूप, पानी, हवा मिट्टी का भुरभुरापन चाहिए वैसे ही मनुष्य के विकास के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ आवश्यक हैं। – इस कथन का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

(ग) वीरों का वसंत कैसा हो – इस संदर्भ में कवयित्री ने जो विकल्प प्रस्तुत किए हैं, उनमें से किन्हीं चार युग्मों का उल्लेख करते हुए उन पर टिप्पणी लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 70 से 80 शब्दों में लिखिए:

(क) 'खानखाना की विनम्रता' लघुकथा के आधार पर 'एक हाथ दे, दूसरे को पता न चले' कहावत पर टिप्पणी लिखिए।

(ख) निंदक नियरे राखिए, आँगन कुटी छवाय।

बिन पानी साबुन बिना, निरमल करत सुभाय।।

– उपर्युक्त दोहे को ध्यानपूर्वक पढ़िए और अपने किन्हीं दो ऐसे अनुभवों का उल्लेख कीजिए जब किसी शुभचिंतक द्वारा आलोचना करने पर आपके स्वभाव में सकारात्मक परिवर्तन आया हो।

(ग) आदिवासी, वनवासी और जनजाति किसे कहते हैं? अपने देश के विभिन्न क्षेत्रों में पाए जाने वाले प्रमुख आदिवासी समुदायों के नाम लिखिए।

3. (क) बात हाथ में आना, दिल में जगह होना, नौ–दो ग्यारह होना, नज़रें झुकाना – मुहावरों का प्रयोग करते हुए एक अनुच्छेद लिखिए।

(ख) निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

स्वातंत्र्य जाति की लगन, व्यक्ति की धुन है,

बाहरी वस्तु यह नहीं, भीतरी गुण है।

नत हुए बिना जो अशनि–घात सहती है,

स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है।

वीरत्व छोड़ पर का मत चरण गहो रे!

जो पड़े आन, खुद ही सब आग सहो रे!

(i) 'स्वतंत्रता' को कवि ने किस रूप में परिभाषित किया है?

(ii) प्रस्तुत कविता में 'जाति' से क्या तात्पर्य है?

(iii) 'धुन' शब्द का प्रयोग करते हुए एक वाक्य लिखिए।

(iv) 'वीरत्व छोड़ पर का मत चरण गहो रे!' पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

4. (क) निम्नलिखित में से समानार्थी शब्दों के वर्ग बनाइए :

दर्प, गिरि, सुरभि, घमण्ड, तन, काया, भूधर, अभिमान, दूध, सुवास, पय, सुगंध, देह, अहंकार, शरीर, खुशबू, क्षीर, शैलेश, गोरस, पर्वत, दंभ।

(ख) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

मनुष्य तो विवेकशील प्राणी है। उसके पास दिमाग़ और दिल है, तो वह भला दासता की कड़ियों में कैसे रह सकता है? यदि किसी को विवशता के कारण दास बनकर रहना पड़ता है, तो वह जीवन म त्यु के समान है। जीवित होते हुए भी मुर्दे की भाँति जीना भी हिंसा से कम नहीं है। वास्तव में दासता से मनुष्य का मानसिक विकास नहीं हो पाता। वह गुलामों की ज़िंदगी बिताता है और मालिक के इशारों पर नाचता है। इसलिए कहा गया है – 'पराधीन सपनेहुँ सुख नाहीं'। अतः विचारकों ने यह भी कहा है कि गुलामी की जंज़ीरों को तोड़ने के लिए यदि अहिंसा का मार्ग भी छोड़ना पड़े, तो वह बुरी बात नहीं होगी। यदि हिंसा भी करनी पड़े, तो वह क्षमा योग्य मानी जाएगी। कुछ लोगों का कहना है कि शक्तिहीन व्यक्ति ही अहिंसा की बात करते हैं। वह उनका भ्रम है। भारत सदैव अहिंसा का पुजारी रहा है, लेकिन इसका यह अभिप्राय नहीं कि वह शक्तिशाली नहीं है। इसी कारण विदेशी शक्तियों ने भारत पर अधिकार जमाने के कई बार प्रयास किये, किंतु भारत के वीर सिपाहियों ने उनके नाकों चने चबवा दिए और उनकी आशाओं पर पानी फेर दिया। इसमें संदेह नहीं कि अहिंसा अच्छी चीज़ है और हिंसा बुरी चीज़ है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि अहिंसा–प्रेमी व्यक्ति को गुलाम बनाया जाए और वह कुछ बोले भी नहीं। अपनी स्वतंत्रता की रक्षा के लिए यदि कोई व्यक्ति अहिंसा का मार्ग त्याग देता है, तो वह बुरा काम होगा।

(i) हिंसा कब उचित कही जा सकती है?

(ii) गुलामी क्यों बुरी है?

(iii) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

5. 'आज मैं बीज हूँ' कविता में बीज से अंकुरण तक की प्रक्रिया को आपने पढ़ा। बीज से लेकर फल प्राप्त होने तक की पूरी प्रक्रिया से संबंधित जानकारी और चित्रों का उपयोग करते हुए परियोजना तैयार कीजिए।

हिंदी

(201)

मूल्यांकन पत्र - II

(पाठ 11 से 20 तक)

कुल अंक : 25

टिप्पणीः

(i) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

(ii) उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के ऊपर की ओर अपना नाम, अनुक्रमांक, अध्ययन–केंद्र का नाम, विषय आदि स्पष्ट रूप से लिखिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिएः

(क) 'मेघ आए' कविता की निम्नलिखित पंक्तियों में दामाद के आने पर गाँव के किन लोगों का चित्र उभरता है :

(i) आगे–आगे नाचती–गाती बयार चली

(ii) पेड़ झुक झाँकने लगे गर्दन उचकाए

(iii) बाँकी चितवन उठा नदी ठिठकी, घूँघट सरके

(iv) बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की

(v) बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की

(ख) 'बीती विभावरी' कविता में प्रातःकाल का सुंदर वर्णन किया गया है। 'शाम' को लेकर अपने अनुभवों और विचारों के आधार पर आप 70-80 शब्दों का एक शब्दचित्र लिखिए।

(ग) प्रतिपिंड किन्हें कहते हैं और टीकाकरण से इनका क्या संबंध है? किसी एक टीकाकरण अभियान के समर्थन में कोई नया नारा (स्लोगन) लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए :

(क) स्त्री–सशक्तीकरण के संबंध में स्त्री के आत्मसम्मान और स्वावलंबन के महत्त्व पर 70-80 शब्दों में टिप्पणी लिखिए।

(ख) 'पद' शीर्षक पाठ में आपने क ष्ण की बाल–लीलाओं से संबंधित पद पढ़ा है। अपने आसपास आपने छोटे बच्चों को देखा होगा। किसी एक बच्चे की बालसुलभ चेष्टाओं का 70-80 शब्दों में मोहक वर्णन कीजिए।

(ग) सौवें अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला स्वास्थ्य–जागरुकता के लिए एक पोस्टर तैयार कीजिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में संलग्न कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किसी एक का लगभग 150 शब्दों में भाव–पल्लवन कीजिए :

(i) सभी पढ़ें, सभी बढ़ें

(ii) सब पर प्यार लुटाता चल

अथवा

सूचना–अधिकार के विषय में बताते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) द ष्टांत अलंकार किसे कहते हैं, किन्हीं दो उदाहरणों से समझाइए।

(ख) हिन्दी की बोलियों का वर्गीकरण कीजिए ।

उदाहरण : पश्चिमी हिन्दी – ब्रजभाषा, ... आदि

5. 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में विवाह का चित्र उभरता है। आप अपने परिवेश में होने वाले विवाह–संस्कार से संबंधित रस्म–रिवाज़ों, आयोजन से संबंधित जानकारियों और चित्रों का संकलन कीजिए तथा उन पर टिप्पणी करते हुए एक परियोजना तैयार कीजिए।

हिंदी

(201)

मूल्यांकन पत्र - III

(पाठ 21 से 30 तक)

कुल अंक : 25

टिप्पणीः

(i) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

(ii) उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के ऊपर की ओर अपना नाम, अनुक्रमांक, अध्ययन–केंद्र का नाम, विषय आदि स्पष्ट रूप से लिखिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 70-80 शब्दों में लिखिएः

(क) 'बहादुर' कहानी में किशोर के स्थान पर यदि आप होते तो बहादुर से कैसा व्यवहार करते और क्यों? उल्लेख कीजिए।

(ख) "मेरे देखते–देखते वह (कंडक्टर) सहकारिता, ग ह, कानून, परिवहन, सूचना–प्रसारण, वित्त और प्रधानमंत्री के मंत्रालयों के काम पूरी दक्षता से पूरे करके दिखा चुका था" – 'जैसे कोई और हो' पाठ के इस कथन में निहित व्यंग्य का स्पष्टीकरण करते हुए एक टिप्पणी लिखिए।

(ग) 'शहर व्यक्ति को आत्मकेंद्रित बना रहा है' – इस कथन के आधार पर अपने अनुभव लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 70-80 शब्दों में लिखिएः

(क) अलग–अलग विषयों से संबंधित समाचारों की भाषा अलग–अलग होती है। किन्हीं तीन भिन्न विषयों के समाचार एकत्रित कर उनकी भाषा की भिन्नता पर टिप्पणी लिखिए।

(ख) 'ठेले पर हिमालय' पाठ में पहाड़ी क्षेत्र से संबंधित यात्रा का रोचक वर्णन किया गया है। आप अपनी किसी रोचक यात्रा का व त्तांत लिखिए, जिसमें उस स्थान/क्षेत्र/इमारत के विषय में आवश्यक जानकारियाँ हों।

(ग) आपको अपनी बहन की शादी में सम्मिलित होने के लिए दिल्ली से भोपाल जाना है। आप अपनी यात्रा दिनांक 21.3.2010 को 2625 अप केरल एक्सप्रेस से करना चाहते हैं। आपके साथ आपकी दादी हैं, जिनके लिए निचली बर्थ सुविधाजनक होगी। इन जानकारियों के आधार पर रेलवे का आरक्षण/रद्दीकरण प्रपत्र भरकर उत्तर–पुस्तिका में संलग्न कीजिए।

3. (क) निम्नलिखित गद्यांश का सार एक तिहाई शब्दों में लिखिए और एक उपयुक्त शीर्षक भी दीजिएः

समाचार–पत्र एक ऐसा समर्थ माध्यम है, जिससे किसी भाषा के प्रचार और लोकरुचि के निर्माण में बहुत सहायता मिलती है। आज बहुत से विद्वानों की तो यह मान्यता है कि समाचार–पत्र राष्ट्रभाषा के लिखित स्वरूप का मानकीकरण करते हैं। अतः हिंदी के समाचार–पत्रों का यह दायित्व है कि वे भाषा के उपयोग में लापरवाही न बरतें। वे इस प्रकार की सरल, सुबोध और शुद्ध भाषा का प्रयोग करें, जो हिंदी को एक आदर्श रूप प्रदान कर सके। सामान्यतः हिन्दी के समाचार–पत्रों का पाठक जब किसी समाचार या घटना के विषय में चर्चा करता है, तो वह उसी भाषा का प्रयोग करता है, जो उसे समाचार–पत्रों से मिलती है। संचार–साधनों के विस्तार के कारण अब ग्रामीण क्षेत्र भी आधुनिक प्रगति से जुड़ गए

हैं। अब ग्रामीण जनता भी समाचार–पत्रों को पढ़ती है और उनके द्वारा दिए गए समाचारों और विचारों पर चर्चा करती है। दैनिक समाचार–पत्रों की भाषा का नवीनीकरण हर 24 घंटे के बाद होता रहता है। अतः समाचार–पत्रों की भाषा का प्रभाव स्थायी हो जाता है। समाचार–पत्र अपनी भाषा की इस शक्ति से हिंदी के मानक स्वरूप की स्थापना कर सकते हैं।

(ख) राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान की दसवीं कक्षा में वर्ष 2008-2009 में पाँच लाख छात्र सम्मिलित हुए। उनमें तीन लाख लड़कियाँ और डेढ़ लाख लड़के थे। जबकि पचास हजार छात्र प्रौढ़ थे। लड़कियों में सफलता का प्रतिशत 70% , लड़कों में 60% तथा प्रौढ़ों में 50% रहा।

– उपर्युक्त जानकारी के आधार पर पाई चार्ट तथा स्तंभ चित्र बनाइए।

4. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर ढाई सौ शब्दों में निबंध लिखिए :

(क) उपभोक्ता–जाग ति

(ख) तेंदुलकर को 'भारत रत्न' क्यों?

(ग) समाज में नैतिकता का महत्त्व

5. अखबार में 'संपादक के नाम पत्र' का महत्त्व बताते हुए किसी समाचार–पत्र के 20-25 'संपादक के नाम' पत्रों का संकलन कीजिए। उन्हें विषयवार वर्गीक त कीजिए और उन पर अपनी टिप्पणी के साथ परियोजना तैयार कीजिए।